

असाधारर्ग EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (li) PART II—Section 3—Sub-Section (li)

प्राधिकार से प्रकशिक्त PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 185] नई दिल्ली, सोमयार, मार्च 25, 1991/चंत्र 4, 1913 No. 185] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 25, 1991/CHAITRA 4, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ खंख्या की जाती ही किससे कि यह अलग संकासन को रूप में रखा जा सके

Separate Paging, is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

खाध स्रोर नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

प्रधिसूचना

नर्ष दिल्ली, 25 मार्च, 1991

का. आ. 209(म्र):—केन्द्रीय सरकार, मिष्रम मंतिवा (विनियमन) मिष्ठिनियम, 1952 (1952 का 74) की घारा 5 के भ्रमीन विजय व्यापार चेम्बर लि., मुजफ्फरनगर द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर वायदा बाजार आयोग के परोमर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहिन में भी होगा, एनद्दारा उक्त अधिनियम की घारा 6 द्वारा प्रचल णिक्तयों का प्रयोग करने हुए उक्त चेम्बर को गुड़ में अग्निम संविदा के बारे में पहली अप्रैल, 1991 से 31 मार्च, 1993 तक (जिनमें ये वोनों विन शामिल है) की 2 वर्ष की श्रवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतव्हारा मंजूर की गई मान्यता इस गर्त के घट्यधीन है कि उक्षा एवसचेंज ऐसे निर्देशों का धनु-पासन करेगा, जो वायदा बाजार खायोग द्वारा समय-समय पर विए जाएं।

> [मि. सं. 12/2/माई. टी./91]^{है} बी. एन. बहा**दर, संय**क्त सनिव

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th March, 1991

S.O. 209 (E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by Vijai Beopar Chamber Ltd., Muzaffarnagar and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, accognition to the said Chamber for a further period of two years from the 1st April, 1991 to the 31st March, 1993 (both days inclusive) in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12]2[IT]91] B. N. BAHADUR, Jt. Secy.